पत्रिका PLUS Weekend

Jaipur . Saturday
28/10/2017

RAJASTHANPATRIKA.COM/ENTERTAINMENT

Square 24 citylite 26

TODAY'S ATTRACTION

मॉर्निंग कॉन्सर्ट
समय : सुबह 6 से 7 बजे

फ्लूट मेडिटेशन : अजय प्रसन्ना

गुरुबानी बाय बीबी आशुप्रीत
समय : सुबह 7 से 8 बजे

नागालैंड क्वाइअर
समय : सुबह 9:30 से 10:30 बजे

पैनल : प्रसून जोशी
समय : सुबह 10:30 से 11:15 बजे

म्यूजिक एंड ब्रांडिंग : राजीव राजा
समय : 11:15 से 11:45 बजे

वुमन इन म्यूजिक :किशोरी, वसुंधरा
समय : सुबह 11:15 से 12 बजे

उस्ताद शुजात खान होंगे रूबरू
समय : दोपहर 12 से 12:45 बजे

इंडिया : द साउंड ऑफ म्यूजिक
समय : दोपहर 3 से 3:45 बजे

जॉर्ज ब्रूक्स का लेक्चर-डेमोंस्ट्रेशन
समय : दोपहर 3 से 3:45 बजे

कीनोट: टीएम कृष्णा

समय : शाम 4 से 5 बजे

राशिद खान : द क्लासिकल सीरीज
समय : शाम 5 से 6:30 बजे

फोक जेम
समय : रात 7:30 से 9:30 बजे

द जैज कलेक्टिव
समय : रात 10 से 11 बजे

याद आती रही रात भर : नॉस्टैल्जिया
समय : रात 11:30 बजे

पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन इंडिया म्यूजिक समिट का हुआ भव्य आगाज

सच्चे सुरों का संगम बना पिंकसिटी

city **LIVE**

एक मंच पर अलग-अलग विधाओं के कलाकारों ने ऑडियंस का जीता दिल

पं. जसराज और प्रसून ने ठुमरी गायिका गिरिजा देवी को दिया ट्रिब्यूट

संगीत रसिकों के लिए शुक्रवार का दिन यादगार बन गया, जब म्यूजिक की विभिन्न विधाओं के कलाकार एक मंच पर आकर संगीत की स्वरधारा को बिखेरने लगे। ठुमरी, भजन, बॉलीवुड, क्लासिकल, जैज और वेस्टर्न म्यूजिक के लगभग 40 कलाकारों ने ऐसी महफिल को सजाया, जिसमें देश-विदेश के टूरिस्ट्स सहित जयपुराइट्स रमते नजर आए। मौका था, पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट का। दिल्ली रोड स्थित होटल फेयरमॉन्ट में तीन दिवसीय इंडिया म्यूजिक समिट का भव्य आगाज हुआ। देश के श्रेष्ठतम कलाकारों के दीप प्रज्ज्वलन के बाद गीतकार प्रसून जोशी ने मंच से कहा कि ऐसे मंच पर म्यूजिक ही मुख्य अतिथि होता है और म्यूजिक ही उद्घाटन करता है और समापन भी म्यूजिक से ही होता है। म्यूजिक के इवेंट में सच्चे लोग ही आते हैं, इसलिए यहां सच्चे सुर लगाए जाते हैं। सच मायने में तलाश करने वालों की वजह से ही आज कला जिंदा है। इस इवेंट में आज बच्चे भी मौजूद हैं और वे उन सवालों का खंडन करते हैं, जिसमें कहा जाता है कि क्लासिकल म्यूजिक से बच्चे या यंगस्टर्स जुड़ाव नहीं रखते। इस दौरान ठुमरी का पर्याय गिरिजा देवी को याद करते हुए प्रसून ने कहा कि वे मुझसे देश गीत लिखवाना चाहती थीं और उसे खुद स्वरबद्ध करना चाहती थीं। मैंने लिखना भी शुरू कर दिया था, लेकिन आज ये प्रयास सफल नहीं हो पाया। ऐसे कलाकार देश के नाम को स्वर्ण अक्षरों में लिखते हैं और इनकी जगह कोई नहीं भर सकता है।

छह महीने बड़ी थीं, इसलिए जीजी बुलाता था

प्रसून जोशी से बात करते हुए एक सेशन में पं. जसराज ने कहा कि गिरिजा देवी मुझसे छह महीने बड़ी थीं, इसलिए उन्हें जीजी कहकर पुकारता था। उनसे गाने को लेकर भी बहुत नोक-झोंक होती थी, लेकिन आज उनकी कमी को कोई पूरा नहीं कर सकता। उनके गायन में एक अजब तरह की कशिश थी, हमारे देश के लिए कहा जाता है कि 'बहुरत्ना वसुंधरा' और गिरिजा देवी देश में अमूल्य रत्न थीं। प्रसून के सवाल पर जसराज ने कहा कि हमारे गायन में साहित्यिक और सात्विक बोल इसलिए नजर आते हैं, क्योंकि ध्रुवपद में यह परम्परा रही है और लेकिन आजकल के ध्रुवपद में यह चीज नजर नहीं आती है। टेक्नोलॉजी से शास्त्रीय संगीत को कोई खतरा नहीं है, उन्होंने कहा कि पहले बहुत से कलाकार ऐसे थे जो संगीत के अहम गुण सिर्फ बच्चों को देते थे, बाहर का कोई आता था तो म्यूजिक ही बंद कर देते थे, ऐसे भी शिष्य थे, जो चोरी-छिपे सीखकर अपनी श्रेष्ठता साबित करते थे।

एक सच्चा सुर लगाएं...

गीतकार प्रसून जोशी ने इंडिया म्यूजिक समिट के एंथम का गीत लिखा और इसे कविता के अंदाज में उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत में लोगों के समक्ष पेश किया।

एक सच्चा सुर लगाएं चलो
कुछ सोए साज जगाएं चलो
सुनसान गली में सुर वाली
ऊंची आवाज लगाएं चलो
एक सच्चा सुर लगाएं चलो
रंगे रंगे रंगे रंगे, सुर रंगे
रंगे रंगे, मन रंगे
सांस रंगे, होश रंगे
शब्द रंगे, जोश रंगे
भीगे भीगे तन मन
भीगे जीवन, भीगे बचपन, भीगे यौवन
सरगम की ठंडी छांव चले
चलो आज सभी सुर गांव चले
एक सच्चा सुर लगाएं चलो
एक इश्क सुरीला करना है
पगड़ी कोशिश की बांधी है
एक झोंका बन के बहना है
हर तरफ शोर की आंधी है
सरगम फिर दोहरायें चलो
एक सच्चा सुर लगाएं चलो
आओ सुर बंधन जोड़ेंगे
एक प्रेम की महफिल सजाएं चलो
एक सच्चा सुर लगाएं चलो
कुछ सोए साज जगाएं चलो

मेरो मन अति सोहनो...

कार्यक्रम में पं. जसराज ने राग दिन की पूरिया में शुरुआत करते हुए श्लोकों से माहौल में अध्यात्म और भक्ति संगीत का रस बिखेरा। उन्होंने कहा कि पहले रेन की पूरिया कहा जाता था, अब इसे दिन की पूरिया कहा जाता है। इसके बाद 'मेरो मन अति सोहनो...' बंदिश को पेश करते हुए खूब दाद बटोरी। 'रसिक बन नंदलाल की...' रचना को हवेली संगीत के माधुर्य के साथ सुनाकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। इनकी प्रस्तुति में हवेली संगीत के साथ क्लासिकल म्यूजिक और अध्यात्म की झलक देखने को मिली। साथ ही संगत कर रहे शिष्यों के बीच सुरों की वार्तालाप से भी गुरु-शिष्यों के म्यूजिकल संबंधों का भी आकर्षण देखने को मिला। इनके साथ गायन में रतन मोहन शर्मा, अंकिता जोशी, तबले पर केदार पंडित, मृदंग पर श्रीधर पार्थसारथी और गायन पर पं. वेणुगोपाल स्वामी ने असरदार संगत की।

म्यूजिक कॉन्सेप्ट ने जीता दिल

सिमट के तहत पहले कॉन्सर्ट को लेस्ले लुईस ने डिजाइन किया। इसमें गायक हरिहरन एवं कौशिकी चक्रवर्ती, सितार वादक उस्ताद शुजात खान, सैक्सोफोन प्लेयर जॉर्ज ब्रूक्स, तबला वादक अमित चौबे और बांसुरी वादक अजय प्रसन्ना ने एक मंच पर आकर म्यूजिक की रचना की। क्लासिकल, वेस्टर्न, बॉलीवुड, सूफी और अन्य विधाओं में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दिल जीत लिया। कलाकारों ने वैष्णव जन तो, काश ऐसा होता, पधारो म्हारे देस, नैना मिलाइके जैसी प्रस्तुतियां देकर दिल जीत लिया। आखिर में वसुंधरा वी की प्रस्तुति के बाद 'सिडक्शन : ठुमरीज' में कौशिकी चक्रवर्ती ने अपने गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह सेशन प्रजेंटेड बाय पत्रिका था।

पपोन का स्टाइल

सैकंड कॉन्सर्ट पावर्ड बाय पत्रिका में पपोन ने मौलिक स्टाइल में शाम को यादगार बना दिया। प्रस्तुति में म्यूजिक की नई स्टाइल ऑडियंस के सामने थी। परफॉर्मेंस में उन्होंने राजस्थान, पंजाब, असम, बंगाल, नेपाल के फोक को अपने अंदाज से सजाया। **समिट** की फाउंडर पार्टनर माला शेखरी ने कहा कि कई महीनों की मेहनत के बाद म्यूजिक की यह नई दुनिया लोगों के सामने ला पाए हैं।

महाराणा प्रताप सभागार में होगा आयोजन

'द डांसिंग स्टार्स' का ग्रैंड फिनाले आज, बनेंगे विनर

The dancing Stars

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● शहर के डांसिंग टैलेंट को खूबसूरत मंच देने वाला 'द डांसिंग स्टार्स' का ग्रैंड फिनाले शनिवार को महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित होगा। दोपहर 3.30 बजे से पाई की ओर से आयोजित 'द डांसिंग स्टार्स' के फिनाले में राजस्थान के नौ जोन के 53 फाइनलिस्ट अपने टैलेंट का प्रदर्शन करेंगे। समारोह में प्रतिभागियों के पैरेंट्स, गार्जियंस और फ्रेंड्स शामिल हो सकेंगे। इसमें सोलो वेस्टर्न, सोलो क्लासिकल, ग्रुप वेस्टर्न, ग्रुप क्लासिकल और ग्रुप फोक जैसी कैटेगरी में पार्टिसिपेंट्स अपनी परफॉर्मेंस देंगे। समारोह में जज डांस टेक्निक्स, कोरियोग्राफी, सिन्क्रोनाइजेशन, एक्सप्रेशन और कॉस्ट्यूम आदि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर विनर्स का चयन करेंगे।

समारोह में जज के तौर पर क्लासिकल के लिए संस्कृति डांस एकेडमी की संगीता सिंघल, थिरक इंडिया कल्चरल सोसाइटी की मनीषा गुलयानी और इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कथक एंड डांस की श्वेता गर्ग तथा इंडिया फोक के लिए नुपूर डांस एकेडमी की शालिनी भार्गव और संस्कृति डांस एकेडमी की संगीता सिंघल मौजूद रहेंगी। वेस्टर्न कैटेगरी में बस्कर्स डांस इंस्टीट्यूट के किशन सिंह, अट्रैक्शन डांस कंपनी के विक्की मुद्गल, बोबिश एंटरटेनमेंट प्रा. लि. के सुरेश पुरोहित, सरगम डांस स्टूडियो के राकेश भंडारी, गणेशा एंटरटेनमेंट के पंकज राव और बूम इवेंट की भावना मक्कड़ जज करेंगे। कार्यक्रम में बॉलीवुड, भांगड़ा और कथक जैसे कई डांस फॉर्म का जलवा दिखेगा।

मैजिक शो का भी होगा अट्रैक्शन

समारोह में जीतेन्द्र सिंह राजावत का स्पेशल मैजिक परफॉर्मेंस भी होगा। वहीं सभी कैटेगरी के विनिंग ग्रुप्स को फर्स्ट प्राइज के साथ 21 हजार, सेकंड प्राइज 11 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा सभी पार्टिसिपेंट्स को सर्टिफिकेट्स भी दिए जाएंगे।

ANCHOR 'फिरंगी' के प्रमोशन के लिए जयपुर आए कपिल शर्मा बोले

मुझे सिर्फ कॉमेडी ही आती है एक्शन मेरे वश की बात नहीं

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● मुझे कॉमेडी के अलावा कुछ नहीं आता, इसलिए जल्द ही अलग नाम से कॉमेडी शो लेकर आऊंगा। लेकिन ये शो मेरे नाम से नहीं होगा, क्योंकि अगर कुछ बुरा हो जाता है, तो मेरा नाम खराब नहीं होगा। यह कहना है कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा का। अपकमिंग फिल्म 'फिरंगी' की कहानी को अपनी रीयल लाइफ से जोड़ते हुए कपिल ने कहा कि मेरे रोल की तरह ही मेरी लाइफ है। इस फिल्म में भी मंगा का किरदार करना कुछ और चाहता है और हो कुछ और जाता है। ठीक वैसे ही मेरी लाइफ में है। मैं करना अच्छा चाहता हूं, लेकिन हो बुरा जाता है।

उन्होंने कहा कि छोटे और बड़े पर्दे में अंतर सिर्फ इतना ही है कि टीवी का पर्दा छोटा होता है और फिल्म का बड़ा। डेली सोप हो या रियलिटी शो, इनमें सातों दिन मेहनत करनी पड़ती है। फिल्म में यदि आपने स्क्रिप्ट तैयार कर ली तो उसके बाद फिल्म के प्रोसेस में बड़ा मजा आता है।

मैं हंसाने के लिए

सिंगिंग शौक था, लेकिन सिंगर की छवि बन ही नहीं पाई, क्योंकि मौका ही नहीं मिला। कॉमेडी करने लगा, तो उसे करोड़ों लोगों ने देखा और परसेप्शन बना लिया कि ये आदमी तो हंसाने के लिए ही है। मेरे लिए कॉमेडी परफेक्ट है। यदि कोई मुझे एक्शन फिल्म के लिए साइन करे, तो मैं शायद मना कर दूंगा, क्योंकि एक्शन के लिए अक्षय कुमार हैं। मुझे सिर्फ हंसाने में मजा आता है। एक्शन मेरे वश की बात नहीं।

नाराज नहीं कर सकता

शाहरुख, अक्षय, अजय देवगन ये बड़े स्टार्स हैं। इन्हें मैं नाराज नहीं कर सकता। मेरे शो पर आने के लिए उन्होंने मना किया। ऐसा कुछ नहीं था। सोशल मीडिया पर लाइक्स बढ़ाने के लिए हैडलाइन ही ऐसी लिखते हैं। शाहरुख को मैं नाराज नहीं कर सकता, उनके आने से मेरा शो तो चलेगा ही।

बॉलीवुड म्यूजिशियन-सिंगर हुए रूबरू

सलमान भाई बोलेंगे, तो उनके साथ एक्टिंग करूंगा

गुलाबी फिजां में शुक्रवार की शाम संगीत और मौसिकी से गुलजार रही। रियलिटी शो 'द वॉइस इंडिया किड्स-2' के प्रमोशन के लिए जयपुर आए बॉलीवुड फनकार हिमेश रेशमिया, शान, पलक मुच्छाल और पपोन ने संगीत से लेकर लाइफ जर्नी को पत्रिका प्लस के साथ शेयर किया।

आज जो बच्चे संगीत की दुनिया में कमाल कर रहे हैं, उनकी सिंगिंग ऐसी ही है जैसे कोई उस्ताद गा रहे हों। सलमान सर के साथ गानों की तैयारी चल रही है। सलमान कहेंगे तो एक्टिंग फील्ड में भी हमारी कैमिस्ट्री देखने को मिल सकती है। **-हिमेश रेशमिया**

लाइफ में पैशन और टैलेंट, दोनों जरूरी है। यह भी जरूरी है कि हमारे टैलेंट और पैशन को पैरेंट्स भी पहचान पाएं। लाइफ में एक अचीवमेंट ऐसा होना चाहिए, जो आपको और कई लोगों को मुस्कुराहट दे सके। **-पलक मुच्छाल**

इंडस्ट्री में सिंगिंग बदल रही है। अब हमें मोर पॉजिटिव होने की जरूरत है। कॉम्पीटिशन के साथ सिंगिंग के अवसर भी बढ़ रहे हैं। अब हमारे फैंस को भी हमें सुनने के लिए फिल्म या एलबम पर डिपेंड नहीं रहना होता। हर किसी के लिए ऑनलाइन अच्छा प्लेटफॉर्म है। **-शान**

म्यूजिक डिवोशन और डेडिकेशन का सब्जेक्ट है। ऐसे में जल्दबाजी आपको लॉन्ग टर्म सक्सेस नहीं दे सकती है। जरूरी है कि हम इस बात को समझें। सोशल मीडिया के जमाने में ढिंचैक पूजा क्या कोई भी फेम पा सकता है, पर दूर तक वही जाएंगे, जिसने हार्डवर्क किया हो। **- पपोन**